

वाबध्य वाससा so v. a. am Kragen festhalten M. 11, 205; vgl. u. simpl. 3. — 4) heften, richten (den Blick, den Geist): स्पन्दनाबद्धदृष्टि Ragh. 1, 40. तदेकाबद्धमानसा KATHAS. 13, 85. — 5) bewirken, hervorbringen, bilden; an sich hervorbringen, äussern, zeigen: (तमिस्रम्) आबद्धरेखम-भितो रविमञ्जरीभिः Gtr. 11, 12. आबद्धमाल (zugleich mit angebundenen Kränzen) MEGH. 9. आबद्धमण्डलं नागम् SOM. NALA 106. आबद्धभीमधुकुटी-विभङ्ग BHATT. 3, 30. आबद्धवेपथु so v. a. zitternd KIR. 5, 33. आबद्धसार-णी (कौरी) KATHAS. 6, 57. — Vgl. आबद्ध, आबन्ध fig.

— समा sich Etwas anbinden: कवचं च समाबध्य R. 6, 86, 25.

— उद् 1) aufbinden d. i. in die Höhe binden: भुजंगमोहद्वजटाकलाप KUMARAS. 3, 46. उद्बद्धमुकुट MBH. 13, 899. उद्बद्धकेश Ragh. 16, 67 fehlerhaft für उद्बन्ध° (d. i. mit aufgelöstem Haar, wie Sr. auch übersetzt), wie die ed. Calc. hat. अस्मिन्वले किलोद्बद्धं शरीरम् aufgehängt MBH. 4, 1312. med. sich erhängen ÇAT. Br. 11, 5, 4, 8. गलमुद्बध्य दृढया चेलचीर-या sich den Hals zuschnüren RĀGA-TAR. 4, 573. — 2) उद्बद्ध als Beiw. von Waden so v. a. fest, drall MBH. 1, 6074. 7, 7897. VARAH. BRH. S. 68, 17. — Vgl. उद्बन्ध figg.

— समुद् festbinden: आत्मानं कः समुद्बध्य कण्ठे बद्धा मङ्गशिलाम् । समुद्रं प्रतरेद्दाम्याम् MBH. 4, 1545.

— उप binden (an Händen und Füßen): पातुधानानुपबद्धानिह्ना वङ्क AV. 1, 7, 7. अत्रम् ÇAT. Br. 2, 1, 4, 3. 11, 5, 1, 2. — Vgl. उपबन्ध.

— नि 1) festbinden, befestigen: इह वत्सानि बन्धिमः AV. 4, 38, 7. कू-दो जघने KAUC. 80. 83. 49. MBH. 3, 10030. BHAG. P. 8, 24, 36. 45. MBH. 4, 802. Spr. 3383. दास्य निबद्धमुदरे — उलूखलम् HARIV. 3462. पुनःशेषं पशुं यूषे निबन्ध R. GORR. 1, 64, 24. HARIV. 7163. 7930. निबध्यतां मे कवचम् MBH. 7, 74. HARIV. 9460. KUMARAS. 3, 10. KATHAS. 28, 159. RĀGA-TAR. 4, 263. 576. PANKAT. 133, 5. कुत्रो च निबद्धा घोटकाः 234, 23. निबद्ध इव पाशेन किशोरः R. 2, 40, 39. PRAB. 14, 3. धर्मपाशनिबद्ध MBH. 4, 1613. R. GORR. 2, 11, 28. KATHAS. 17, 17. उत्तरीयनिबद्धग्रन्थि PANKAT. 236, 17. माता गाढं निबध्नाति बन्धं देवी निकृतिः PRAB. 106, 9. वस्त्रात्ते निबद्धा-शैरनासिकाः gebunden in VID. 131. जर्जरस्त्रानशाटीनिबद्धम् — अलंका-रभाण्डम् MRĀKH. 49, 11. जीर्णपटवण्डनिबद्धकन्था zusammengeknäht aus Spr. 2044. सूच्या सूत्रं यथा वस्त्रे संसारयति वायकः । तद्वत्संसारसूत्रं हि तृष्णामूच्या निबध्यते ॥ MBH. 12, 7878. एकनिबद्धवेणी zusammengebun- den HARIV. 7042. धनुषी sich anbinden R. GORR. 2, 31, 28. 3, 12, 19. दृढ-तरनिबद्धमुष्टि (कृपाणा) befestigt Spr. 1277. सपरिवारे निबद्धः gefangen (im Netz) PANKAT. 103, 9. अर्थैरर्थो निबध्यते गजैरिव मङ्गगजाः Spr. 228. 2324. 3603. MBH. 12, 225. अर्थतस्तु निबध्यते मित्राणि रिपवस्तथा so v. a. der Nutzen schafft uns Freunde wie Feinde Spr. 4274. आत्मवत्तं न कर्मणि निबध्नति fesseln, ketten BHAG. 4, 41. 9, 9. 14, 7. कृत्वापि न नि-बध्यते 4, 22. 18, 17. M. 6, 74. BHAG. P. 4, 26, 8. 7, 2, 41. यथ्यपश्यामि ते गात्रम् — तस्मिंस्तस्मिन् — चलुर्मम निबध्यते R. 5, 22, 15. धर्मज्ञा धर्मशा-स्त्रेषु निबद्धा धर्मसेतुषु MBH. 13, 2477. गुरुशास्त्रे ऽनिबद्धानाम् 1, 1360. आबद्धा मानुषाः सर्वे सर्वे निबद्धाः कर्मणोर्दयाः । दैव पुरुषकारे च sind ge- kettet an 10, 71. ताभ्यामुभाभ्यां दैवेन पुरुषकारेण च सर्वाया निबद्धाः hän- gen davon ab 73. (सदाचारम्) निबद्धं स्वेषु कर्मसु gebunden an M. 4, 155. — 2) verbinden, zusammenfügen: दृढतरनिबद्धमुष्टि (कृपाणा) Spr. 1227. निबद्ध एष भवतामत्यः प्रणामाञ्जलिः 2163. निबध्य भुकुटो die Brauen

furchen HARIV. 7066. निबद्धवाटस्य शालेः geschlossen, verstopft (so dass das Wasser nicht hineindringen kann) KATHAS. 34, 203. पायाणचयनि-बद्धे कूपे mit Steinen eingefasst PANKAT. 241, 5. हेमनिबद्धचक्रं mit Gold eingelegt, — verziert MBH. 12, 1585. 13, 2785. मन्दं प्रख्यायमानेन त्रुपेणा-प्रतिमेन ताम् । निबद्धा (पिनद्धा R. 5, 18, 4) धूमनालेन प्रभावित विभावसोः ॥

eingehüllt in, bezogen mit 3, 2662. पञ्चधातुनिबद्धा zusammengefügt aus HARIV. 12030. विचित्रसदसत्कर्मनिबद्धाः (जतवः) begleitet von, versehen mit KATHAS. 27, 77. GAUDAP. zu SĀMĀHJAK. 39. निबद्ध eingeschlossen, ein-gefügt, enthalten, befindlich auf, — in: धारानिवद्धेव कलङ्कलेखा Ragh. 13, 15. अष्टादशसु मार्गेषु निबद्धानि (कार्याणि) M. 8, 3. भाष्यवार्तिकयोर्नि-बद्धानि Verz. d. Oxf. H. No. 334. अग्राह्यमनिबद्धं च वाचा संपरिवर्जयेत् nicht in Worte gefasst so v. a. schlecht ausgedrückt MBH. 13, 7541. अनिवद्धप्रला-पिन् Unsinn schwatzend JĀGĀN. 3, 135. zusammenfügen so v. a. niederschrei- ben, abfassen, redigieren: निबध्नीयातथा सीमां सर्वास्तांश्चैव नामतः M. 8, 255. निबद्धं पुण्यमाख्यानं रामायणम् R. GORR. 1, 3, 3. VIKR. 36. VARAH. LA-CHUG. 1, 2 in Ind. St. 2, 277. RĀGA-TAR. 1, 8. KATHAS. 8, 2. 5. HALL in der Einleit. zu VĀSAVAD. 24. Verz. d. Oxf. H. 211, a, 32. 261, a, 28. अदौ नि-बध्नाति स्वाम्यमित्यादिना so v. a. er beginnt seine Schrift mit स्वाम्यम् u. s. w. No. 602. KULL. zu M. 8, 142. प्रणीतम् = स्मृतित्रयेण निबद्धम् MALLIN. zu KUMARAS. 6, 31. besprechen: स्वशाखाविकृतैश्चापि शाखातर-गतान्विधीन् । कल्पकारा विवध्नति (lies निब°) सर्व एव विकल्पितान् ॥

KUMARILA bei MÜLLER, SL. 178. — 3) festhalten, zurückhalten, hemmen: निबध्नीमो ऽस्य पौरुषम् MBH. 4, 982. गुहानिबद्धप्रतिशब्द Ragh. 2, 28. — 4) heften auf, setzen, richten, zuwenden: नात्पोषसि निबध्नति पदमुन्नत-चेतसः setzen ihren Fuss auf so v. a. machen sich an Spr. 4433. साध्य-निबद्धदृष्टि HARIV. 14840. अधिकं हि निबद्धेन किमत्र हृदयेन मे KA-THAS. 46, 176. कामो मनुष्याणां यस्मिन्किल निबध्यते । जने R. 5, 24, 1. व-सत्तलेखैकनिबद्धभावं परामु कात्तासु मनः कुतो नः SĀH. D. 300, 2 v. u. त्व-पि निबद्धरतेः VIKR. 118. संजीवकनिबद्धराग PANKAT. 38, 13. मतिर्मपि नि-बद्धा BHAG. P. 1, 6, 23. 7, 1, 23. Jmd zu Etwas anstellen, mit Etwas be- auftragen: यत्रानिबद्धो ऽपीति प्रणुयादा किंचन M. 8, 76. उपकूलं का-लिन्याः स्कन्धावारं निबध्नात aufstellen RĀGA-TAR. 1, 60. — 5) निबद्ध gebildet, bestehend aus: शौर्यनिबद्धमूल (राजसराजवृत्त) R. 6, 93, 18. — 6) निबद्ध sich beziehend auf: रामे निबद्धाः (गाथाः) HARIV. 2352. कुरुते-त्रनिबद्धा (गाथा) MBH. 9, 3029. — Vgl. निबन्धरू figg. und अनिवद्ध.

— उपनि niederschreiben, abfassen, redigieren: कात्यायनोपनिबद्धा-ज्ञाण्यश्लोक° KAUJ. in MAHĀBH. 24. मन्पदिष्टा धर्मास्तच्छिष्येण भृगुणा त-दाज्ञयोपनिबद्धाः KULL. zu M. 1, 4. मन्पदिष्टधर्मोपनिबद्धत्वाच्च मानवोयसं-हिता ebend. KULL. zu M. 2, 7. Verz. d. Oxf. H. No. 24. besprechen No. 338. Schol. zu KĀTS. ÇR. 1056, 6. 1059, 2 v. u. विषयस्यानुपादानाद्विषयुपनि-बध्यते । यत्र सातिशयोक्तिः स्यात् PRATĀPAR. 84, b, 6.

— संनि, partic. संनिबद्ध geknüpft an, hängend an, abhängig von: संसारे संनिबद्धानां निगडच्छेदकर्तरी BRAHMAVIV. P. in Verz. d. Oxf. H. 20, b, 8. भरते संनिबद्धाः स्म शौनिके पशवो यथा R. 2, 48, 25. besetzt mit: क्रीडाश्रय (Spielplätze) नानाहुमसंनिबद्धाः MBH. 3, 12318. — Vgl. संनिब-न्ध u. s. w.

— निम् 1) heften, richten: यन्मनो मयि निबद्धम् BHAG. P. 3, 9, 35. मयि निब-द्धहृदया 9, 4, 66. — 2) sich an Jmd klammern, heftig in Jmd dringen,